7/8/17

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper: 7484 F-8

Unique Paper Code : 2051604

Name of Paper : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Name of Course : B.A (Hons.) Hindi

Semester : VI

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

DEENBANDHU COLLEGE LIBRARY

(इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) दलित विमर्श की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए तुलसीराम के 'मुर्दहिया' पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) "ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानी 'सलाम' भारतीय समाज में दलितों की दोयम स्थिति और दुर्दशा की परिचायक है"— इस कथन को दलित चेतना के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

(iii) स्त्री विमर्श की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए 'अन्या से अनन्या' की समीक्षा कीजिए।

(iv) 'खुदा की वापसी' कहानी में निहित स्त्री चेतना को पितृसत्ता के आलोक में व्याख्यायित कीजिए।

P. T. O.

(v) हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श की भूमिका का आकलन करते हुए उपन्यास 'धूणी तपे तीर' में निहित आदिवासी चेतना का मूल्यांकन कीजिए। 14×3=42

2. किन्हीं दो अवतरणों को चुनकर उनके आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) अवतरण के पाठ और लेखक का नाम बताइए।

(ख) अवतरण के कथ्य का विश्लेषण कीजिए।

(ग) अवतरण के भाषण-कौशल का विश्लेषण कीजिए।

(i) लोग आजादी का सूरज देखने के लिए अपने-अपने घरों की छतों पर आ गए थे। कुछ मुंडेर पर खड़े थे। पतले-दुबले लोग बंदर की तरह उछल कर पेड़ों की डालों पर बैठ गए थे। सुबह का उगता हुआ सूरज देखना उनके लिए नया अहसास था। पूरी बस्ती में ही नहीं शहर भर में शोर था। आज आजादी की पहली सुबह थी। ऐसी सुबह जिसके लिए अंधेरे का कोई अर्थ नहीं था। बस्ती के लोगों को लग रहा था जैसे सूरज उनके नजदीक और नजदीक दौड़ा चला आ रहा हो। उसके भीतर खून का रंग था। वही खून का रंग दलितों को उत्तेजित कर रहा था। वे चीख-चिल्ला रहे थे, उद्वेलित हो रहे थे। हालांकि उन्हें अपने-अपने बाड़ों का अहसास भी था। पर वे उन्हीं बाड़ों की हदों से बाहर थे। उनका मन पक्षियों की तरह नीले आकाश में उड़ना चाहता था। उनके पंख न थे, पर पक्षियों की तरह उड़ने की महत्वाकांक्षाएँ तो थीं।

(ii) इस उत्तर को पढ़कर विद्रोही इला के हृदय में भीषण रोष-ज्वाला धायं धायं कर उठी। उसकी मुद्रा कठोर हो गई, होठों को क्रोध से दो बार चबाकर उसने कहा; 'कायर, स्त्री को पालतु पशु से भी गिरा हुआ समझने वाले पुरूष, तुम अपने को समझते क्या हो?...'

'यह अपमान स्त्री नहीं सह सकती, तुम्हारे टुकड़ों पर ठोकर है। वह दर-दर की ठोकर खाएगी, किंतु तुमसे सहायता नहीं ले सकती', और उसकी आँखों से चिन्गारियां निकलने लगीं''। अपने जीवन, समाज, संसार सबके प्रति उसके मन में विद्रोह जागा। जिस प्रेम के लिए उसका घर-द्वार, लोक-लाज, यश-अपयश सब छूटा और जिस प्रेम के लिए आज उसने अपने को समाज के निषेध की दीवारों की कैद से भी मुक्त पाया, वही आज नारी को आर्थिक असहायता का विकृत रूप इस तरह दिखा रहा था।

(iii) साहित्य के क्षेत्र की बड़ी बहस यह है कि दलित लेखक अपनी कला के बारे में क्या सोचते हैं। दलित लेखक का यह पूरा-पूरा हक है कि वह साहित्यिक भाषा और साहित्यिक मूल्यों पर अपने स्पष्ट और अलग विचार रखे। लेकिन उस तरफ कम ध्यान देकर वह भाषा और मूल्यों को नकारने की क्षमता और स्थिति में कलापक्ष के ही विरुद्ध खड़ा नहीं हो सकता। ऐसे विचार से दलित साहित्य को बचने की आवश्यकता है। यह बिल्कुल धर्म और ईश्वर की तरह की बात है। धर्म, ईश्वर और कला पशु के पास नहीं है— क्या दलित चिंतक ऐसे पशु जीवन को पसंद करना चाहेगा? इसलिए कहा जा रहा है कि कोई

दलित साहित्यकार अपने साहित्यिक कर्म में अभ्यास और साधना को भूलने की भूल नहीं कर सकता।

2×2, 3×2, 3×2=16

3. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए:

(क) 'मैं किसकी औरत हूँ?' कविता में स्त्री चेतना।

अथवा

'सात भाइयों के बीच चम्पा' कविता में लिंगभेद।

(ख) 'दलित विमर्श' कविता में निहित दलित संवेदना।

अथवा

'सोनवा का पिंजरा' में दलित मुक्ति की अवधारणा।

9+8=17

[This question paper contains 4 printed pages.]

09/5/17

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 7481 F-8

Unique Paper Code : 2051601

Name of the Paper : Sahitya Chintan - 2

Name of the Course : Hindi

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं दो अवतरणों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) इस नवीन मानवतावाद को स्वीकार करने का युक्तिसंगत परिणाम हो सकता है मनुष्य की मुक्ति। सब प्रकार के सामाजिक और राजनीतिक और आर्थिक शोषणों से मनुष्य को मुक्त किया जाय, क्योंकि मनुष्य के जीवन का बड़ा मूल्य है। मनुष्य का अखण्ड विश्वास इसका प्रधान सम्बल है। जिन दिनों इंग्लैण्ड के साहित्य में भारतवर्ष का प्रथम परिचय हुआ, उन दिनों इस नवमानवतावाद की प्रतिष्ठा हो चुकी थी। इस सिद्धांत को स्वीकार कर लेने से कवि-चित्त उन रूढ़ियों से मुक्त हो जाता है जो दीर्घकालीन रीति-नीति से सरकती हुई मनुष्य के चित्त पर आ गिरी होती है और कल्पना के प्रवाह में और आवेगों की अभिव्यक्ति में बाधा देती हैं।

(i) उपर्युक्त अंश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम बताइए। (2)

(ii) 'मनुष्य की मुक्ति' का आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

(iii) 'मनुष्य पर अखण्ड विश्वास इसका प्रधान सम्बल है।' वाक्य का विश्लेषण कीजिए। (3)

(ख) उत्कृष्ट साहित्य वह कोई भी साहित्य है, जिसमें पढ़ने वाले की गहरी दिलचस्पी जग सके और संभावना इसी बात की है कि ऐसा वही कुछ हो सकता है, जिसमें स्वयं लेखक की गहरी-से-गहरी दिलचस्पी है। तात्कालिक कारणों से प्रेरित साहित्य में तब ज्यादा लोगों की रूचि हो सकती है, पर बाद में उसकी संख्या घटती चली जाएगी। इसके विपरीत ऐसा साहित्य, जिसके प्रेरणा अधिक सार्वभौम और सार्वकालिक है, आज उपेक्षित हो सकता है, लेकिन आने वाली पीढ़ी की बहुत बड़ी संख्या उसे पढ़ सकती है।

(i) उपर्युक्त अंश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम बताइए। (2)

(ii) 'उत्कृष्ट साहित्य' पद का विश्लेषण कीजिए। (3)

(iii) 'तात्कालिक कारणों से प्रेरित साहित्य' से लेखक का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए। (3)

(ग) लोक में फैली दुःख की छाया को हटाने में ब्रहम की आनन्दकला जो शक्तिमय रूप धारण करती है उसकी भीषणता में भी अद्भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंडता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है। विरुद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर

आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता।

(i) उपर्युक्त अंश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम बताइए। (2)

(ii) 'लोक में फैली दुःख की छाया' से लेखक का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए। (3)

(iii) 'विरुद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है' इस वाक्य का विश्लेषण कीजिए। (3)

(घ) जो हो, जब तक साहित्य काम केवल मनबहलाव का सामान जुटाना, केवल लोरियाँ गा-गाकर सुलाना, केवल आँसू बहाकर जी हलका करना था, तब तक उसके लिए कर्म की आवश्यकता न थी। वह एक दीवाना था जिसका गम दूसरे खाते थे। मगर हम साहित्य को केवल मनोरंजन और विलासिता की वस्तु नहीं समझते। हमारी कसौटी पर वही साहित्य खरा उतरेगा जिसमें उच्च चिन्तर हो, स्वाधीनता का भाव हो, सौन्दर्य का सार हो, सृजन की आत्मा हो, जीवन की सच्चाईयों का प्रकाश हो-जो हममें गति, संघर्ष और बेचैनी पैदा करे सुलाये नहीं क्योंकि अब और ज्यादा सोना मृत्यु का लक्षण है।

(i) उपर्युक्त अंश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम बताइए। (2)

(ii) 'जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश' वाक्य का विश्लेषण कीजिए। (3)

(iii) 'लोरियाँ गा गाकर सुलाना'और आँसू बहाकर जी हलका करना' से लेखक का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए। (3)

2. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए उदात्त के स्रोतों पर विचार कीजिए।

(ii) 'वर्ड्सवर्थ कृत्रिमता के विरोधी और नैसर्गिकता के पक्षधर थे' – इस कथन के आलोक में उनके काव्य – भाषा सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'लोकमंगल को आचार्य रामचंद्र शुक्ल काव्य के मूल्यांकन का आधार मानते हैं। उनके निबंध 'काव्य में लोकमंगल' के आधार पर इस कथन पर विचार कीजिए।

(iv) प्रेमचंद ने अपने निबंध 'साहित्य का उद्देश्य' में साहित्य के कौन – कौन से उद्देश्य बताए हैं? स्पष्ट कीजिए।

(v) 'परंपरा का मूल्यांकन' निबंध में डॉ. रामविलास शर्मा की प्रमुख स्थापनाओं का परिचय दीजिए।

(vi) 'व्यापकता और गहराई' की अवधारणा को नामवर सिंह के निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (15, 15, 15)

3. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (7, 7)

(i) काव्यानुभूति

(ii) विसंगति और विडम्बना

(iii) मिथक

(iv) आधुनिकता

This question paper contains..... pages

Set-A

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7482
Unique Paper Code : 2051602
Name of the Paper : Bhartiya Aur Vishva Sahitya
Name of the course : B.A. (Hons.) Hindi IIIrd year
Semester : VI

DEENBANDHU COLLEGE LIBRARY

समय : 3घंटे

पूर्णांक : 75

(प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के माध्यम से शायर क्या कहना चाहता है ?

अथवा

'छुट्टी' कहानी के आधार पर फटिक का चरित्र–चित्रण कीजिए। 14

2. 'भव' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'खून का रिश्ता' कहानी पारिवारिक संबंधों की यथार्थ अभिव्यक्ति है– स्पष्ट कीजिए। 14

3. 'हैमलेट' नाटक के तीसरे अंक के आधार पर 'हैमलेट' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'शिमौन के पापा' कहानी में वर्णित बाल मनोविज्ञान का विश्लेषण कीजिए। 14

4. किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– 9

मानचित्र को दूर रख दो
अब वहाँ जाने के लिए
नहीं है जरूरत हेलिकॉप्टर की
जहाँ भी अकाल है
वहीं है कालाहांडी।

अथवा

समेटा जिन कृपणों ने स्वर्ण, सुरक्षित रक्खा उसको मूँद
लुटाया, और जिन्होंने खूब, लुटाते जैसे बादल बूँद
गड़े दोनों ही एक समान, हुए मिट्टी दोनों के हाड़
न कोई हो पाया वह स्वर्ण, जिसे देखें फिर लोग उखाड़।

5. किसी एक का रचना–कौशल दिए गए निर्देश के अनुसार स्पष्ट कीजिए। 9

ऐ स्त्री, तुम्हारा नाम क्या है? – मैं नहीं जानती।
तुम कब पैदा हुई थी और कहाँ की हो ? – मैं नहीं जानती।
तुमने अपने लिए धरती में गड्ढा क्यों खोदा है ? –मैं नहीं जानती।
तुम यहाँ कब से छिपी बैठी हो ? – मैं नहीं जानती।

(युद्धोपरांत नारी की स्थिति की दृष्टि से)

अथवा

"अब नहीं आते, क्योंकि गाड़ियाँ काफी आती–जाती रहती हैं। बाढ़ आने से पहले तो वे हमारे धान के खेतों में भी चले आते थे और हम सब किसान मिलकर उन्हें भगाने में जुट जाते थे। शेर अब भी आ जाते हैं। आपको पता है, कुछ ही रोज पहले क्या हुआ? दिमुई गुड़िया महन्त का हाथी सड़क किनारे एक ताल के निकट एक पेड़ से बंधा हुआ था। वह बहुत ही शरीफ था। जब कभी उसे डिफलू में नहलाने के लिए ले जाया जाता, वह वहाँ लड़के–लड़कियों से खेलता रहता। वह उस दिन ताल के पास लेटा हुआ था कि शेर ने उस पर हमला बोल दिया और उसके पिछले हिस्से से गोश्त का बहुत बड़ा टुकड़ा खींच ले गया।"

(ग्रामीण–जीवन की दृष्टि से)

8,7

6. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :
(क) 'अछूत' उपन्यास में चित्रित दलित समाज
(ख) 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' में वर्णित प्रकृति–चित्रण
(ग) 'रुको, ओ पृथ्वी' कविता का प्रतिपाद्य
(घ) 'बाज का गीत' कहानी का संदेश

[This question paper contains 2 printed pages.]

15

15/5/17

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 6099** **G**

Unique Paper Code : 205601

Name of the Paper : रचनात्मक लेखन

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कथा-साहित्य की आधारभूत संरचना पर प्रकाश डालिए। (15)

**अथवा**

नाट्य-साहित्य में परिवेश की भूमिका का विवेचन कीजिए।

2. कविता में संवेदना की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (15)

**अथवा**

निबंध के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. टेलीविजन पटकथा लेखन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (15

अथवा

सूचना तंत्र में फीचर-लेखन का महत्त्व रेखांकित कीजिए।

4. टिप्पणी लिखिए:

(क) बाल साहित्य (8)

अथवा

शब्द-शक्ति का महत्व।

(ख) औपचारिक-अनौपचारिक भाषा

अथवा

मानक भाषा। (7)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए- (8,7

(क) रचनात्मक लेखन की अवधारणा।

(ख) विज्ञापन का महत्त्व।

(ग) संपादन

(घ) पुस्तक-समीक्षा

[This question paper contains 2 printed pages.]

LIBRARY

Your Roll No. ..............

**Sr. No. of Question Paper : 6100** G

Unique Paper Code : 205602

Name of the Paper : Hindi Bhasha ki Sanrachna

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा के आधुनिकीकरण को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। (15)

**अथवा**

हिंदी के जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ पर विचार कीजिए।

2. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था का विवेचन कीजिए। (15)

**अथवा**

हिंदी की आक्षरिक व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।

3. हिंदी के शब्द-वर्गों में से संज्ञा और सर्वनाम का परिचय दीजिए। (15)

**अथवा**

हिंदी के मिश्र और संयुक्त वाक्यों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. हिंदी के अनेकार्थी और पर्यायवाची शब्दों की आर्थी संरचना पर प्रकाश डालिए। (15)

**अथवा**

उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के विभिन्न स्रोतों का परिचय दीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए :-

(क) कामताप्रसाद गुरु **अथवा** किशोरीदास वाजपेयी के हिंदी व्याकरण की प्रमुख प्रवृत्तियां। (8)

(ख) हिंदी वर्तनी की आधारभूत समस्याएं **अथवा** बलाघात और संहिता। (7)

17

[This question paper contains 2 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No. ...........

**Sr. No. of Question Paper : 6103** **G**

Unique Paper Code : 205605

Name of the Paper : MEDIA–I – अवधारणामूलक

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. इंटरनेट ब्लॉगिंग पत्रकारिता के महव को रेखांकित कीजिए ।

**अथवा**

रेडियो कार्यक्रम निर्माण-प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए । (15)

2. व्यावसायिक पत्रकारिता की चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए ।

**अथवा**

P.T.O.

गाँधी युग की हिंदी पत्रकारिता की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (15)

3. कंप्यूटर ने समकालीन मुद्रण-कला में व्यापक बदलाव किए हैं - समीक्षा कीजिए।

अथवा

समाचार-पत्रों की डिजाइनिंग में हो रहे बदलावों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए। (15)

4. समाचार-पत्रों की संपादन-प्रक्रिया का निरूपण कीजिए।

अथवा

मीडिया में आचार संहिता के सवालों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) यूनीकोड

(ख) ले-आउट

(ग) प्रसारण-प्रक्रिया

(घ) प्रसार भारती

(8,7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

(18)
DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19
28/5/17

Your Roll No. ..............

**Sr. No. of Question Paper : 6104** **G**

Unique Paper Code : 205606

Name of the Paper : भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय अस्मिता की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

भारतीय भाषा और संस्कृति की विविधता में निहित एकता के सूत्रों की पहचान कीजिए। (15)

2. वैदिक साहित्य **अथवा** अपभ्रंश साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

3. आधुनिकता पूर्व बांग्ला साहित्य **अथवा** तमिल साहित्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। (15)

4. आधुनिक भारतीय साहित्य में व्यक्त राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

आधुनिक भारतीय साहित्य पर गाँधी के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। (15)

5. भारतीय साहित्य पर स्वाधीनता आंदोलन के प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

**अथवा**

बीसवीं सदी के आखिरी दौर में भारतीय साहित्य के उत्तर आधुनिक सन्दर्भ की विवेचना कीजिए। (15)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...........

Deshbandhu College Library Kalkaji, New Delhi-19

**Sr. No. of Question Paper : 6105** **C**

Unique Paper Code : 205607

Name of the Paper : भाषा शिक्षण और हिंदी भाषा

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. उच्चशिक्षा के स्तर पर मातृभाषा के रूप में हिंदी भाषा शिक्षण पर विचार कीजिए। (15)

**अथवा**

द्वितीय भाषा के रूप में विजातीय भाषा वर्ग के संदर्भ में हिंदी शिक्षण पर प्रकाश डालिए।

2. भाषा शिक्षण के संदर्भ में एक अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ विस्तार से बताइए। (15)

**अथवा**

भाषा शिक्षण में मूल्यांकन की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए मूल्यांकन के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना स्पष्ट करते हुए दोनों में अंतर बताइए। (10)

**अथवा**

सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण की संकल्पना पर विचार कीजिए।

4. भाषाई कौशल का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों का उल्लेख कीजिए। (10)

**अथवा**

मौखिक वार्तालाप विधि एवं संरचनात्मक विधि का परिचय दीजिए।

5. भाषा-शिक्षण के विभिन्न संदर्भों का परिचय देते हुए किसी एक संदर्भ पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए। (9)

**अथवा**

भाषा शिक्षण के राष्ट्रीय एवं सामाजिक संदर्भ पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

6. भाषा-शिक्षण के संदर्भ में सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए किसी एक पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। (8)

**अथवा**

व्यक्तित्व के विकास में मातृभाषा शिक्षण की उपादेयता स्पष्ट कीजिए।

7. श्रवण एवं लेखन कौशल के विकास की तकनीक पर विचार कीजिए। (8)

**अथवा**

अन्य भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियों का उल्लेख करते हुए भाषा-शिक्षण की द्विभाषिक विधि का विस्तृत विवेचन कीजिए।

[This question paper contains 2 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No..................

Sr. No. of Question Paper : **6108**

G

Unique Paper Code : 205610

Name of the Paper : PAPER 20 : MEDIA–II (अवधारणा एवं व्यवहारमूलक)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 75

## छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. संचार माध्यमों के लिए लेखन के मूलभूत सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

संचार माध्यमों के लिए सर्जनात्मक लेखन की शिल्पविधि पर प्रकाश डालिए। (15)

2. प्रिंट मीडिया के लिए साक्षात्कार लेखन की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

**अथवा**

किसी दैनिक समाचार-पत्र के लिए 'बसंत ऋतु' पर एक फिचर लिखिए। (15)

3. रेडियो के लिए समाचार लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

'पर्यावरण संरक्षण' पर रेडियो के लिए एक परिचर्चा तैयार कीजिए। (15)

4. टेलीविजन के लिए तैयार किए जाने वाले दृश्यलेख की विशिष्टताओं का विवेचन कीजिए।

**अथवा**

किसी लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) बच्चों पर केन्द्रित कार्यक्रम के लिए लेखन

(ख) संवाद लेखन

(ग) टेलीफिल्म

(घ) फीचर फिल्म की पटकथा (8,7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

**Sr. No. of Question Paper : 6109** **G**

Unique Paper Code : 205611

Name of the Paper : भारतीय साहित्य

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

## छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'उत्तरमेघ में वर्णित प्रकृति-चित्रण पर विचार कीजिए।

**अथवा**

'रामकाव्य का जन्म' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (11)

2. वेमना के काव्य की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

शंकरदेव की कविताओं में एकेश्वरवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (11)

P.T.O.

3. "लल्लेश्वरी (लल द्यद) के काव्य 'वाखों' में विरोध का स्वर मिलता है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वारिसशाह की 'हीर' में वर्णित प्रेम तत्व पर विचार कीजिए। (11)

4. रवीन्द्रनाथ टैगोर की 'भारत तीर्थ' कविता की काव्य-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वल्लतोल की काव्यानुभूति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (11)

5. प्रत्येक वर्ग से **एक** विस्तृत टिप्पणी लिखिए :-

(i) (क) 'मृत्युंजय' के आधार पर कर्ण का जीवन-संघर्ष

(ख) 'हयवदन' नाटक का कथ्य (16)

(ii) (क) 'अग्निकुंड में खिला गुलाब' शीर्षक की सार्थकता

(ख) 'इंसपेक्शन रिपोर्ट' कहानी की मूल संवेदना। (15)